राशि दोगुनी करने के नाम पर साढ़े 5 लाख की चांदी हड़पी

दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह से पुलिस ने दो किलो चांदी बरामद की ।

■ आरोपियों ने पीड़ितों को कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने और विशेष किस्म के कछुए की खरीद-फरोख्त में भारी लाभ होने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया था और उनसे साढ़े पांच लाख रुपए की चांदी हड़पी थी। जिसके बाद परिवादी की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 2 किलोग्राम चांदी की दो कमरबंद बरामद की हैं

टोंक । कछुए के कारोबार में रुपए दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पीड़ितों को कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने और विशेष किस्म के कछुए की खरीद-फरोख्त में भारी लाभ होने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया था और उनसे साढ़े पांच लाख रुपए की चांदी हड़पी थी। जिसके बाद परिवादी की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 2 किलोग्राम चांदी की दो कमरबंद बरामद की हैं, जिनकी कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है।

वृताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत ने बताया कि गत 19 मई 2026 को परिवादी जगदीश पुत्र रामधन गुर्जर निवासी कांटोली और धर्मराज पुत्र भंवरलाल गुर्जर निवासी हाथगी थाना थाना डिग्गी में रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया गया कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें एक दुर्लभ कछुए के नाम पर भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया। आरोपियों ने दावा किया कि यदि वे उनके साथ व्यापार में पैसा लगाते हैं तो बहुत कम समय में रकम दोगुनी हो जाएगी। इसी झांसे में आकर पीडितों ने आरोपियों को एक लाख रुपए नकद और करीब 2 किलो 100 ग्राम चांदी की दो कमरबंद सौंप दीं। सामान और नकदी लेने के बाद आरोपी फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए डिग्गी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने आधुनिक अनुसंधान तकनीकों का सहारा लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। डिग्गी कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण किया और कई तकनीकी साक्ष्य जुटाए। जांच के बाद पुलिस ने बूंदी जिले के नैनवा क्षेत्र में दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। दोनों के वारदात करना स्वीकार करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पीडितों से हड़पी गई दोनों चांदी के कमर बंद(करधनी) बरामद कर लीं। पुलिस गिरोह के अन्य साथियों तथा पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

9 विद्यार्थियों का एनएमएमएस में चयन

निवाई। पीईईओ क्षेत्र भरथला के 7 विद्यार्थियों का एनएमएमएस राष्ट्रीय आय सह मेधा स्कालरशिप में चयन हुआ है। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि नेशनल मीन्स कम मेरिट परीक्षा 2026 के जारी परिणाम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरथला से 3, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जीवली से 1, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धतूरी से 1 व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बीड भरथला से 2 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। चयन होने पर शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है।

छात्रों को अध्ययन करने के लिए एवं कक्षा 9 से 12 तक राजकीय विद्यालय में ठहराव सुनिश्चित करने के लिए लगातार 4 वर्षों तक प्रतिवर्ष 12 हजार रूपए कुल 48 हजार रूपए निर्धारित मानदंड पूरा करने पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से इसी वर्ष से प्रदान किए जाएंगे।

सार-समाचार

पानी, बिजली को लेकर नगर परिषद कार्यालय का घेराव

कोटपूतली । कस्बे के ग्राम खेड़की वीरभान में पानी, बिजली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव ने अब स्थानीय लोगों ने सब्र का बांध तोड़ दिया है। वर्षों से प्रशासनिक अनदेखी का शिकार हो रहे क्षेत्रवासियों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा । आक्रोशित नागरिकों ने पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। मामले की जानकारी देते हुए स्थानीय निवासी संजय चारण ने बताया कि क्षेत्र में सिंगल फेज की बोरिंग लंबे समय से खराब पडी है। इसके कारण कडकडाती धूप और गर्मी में लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। पानी की किल्लत के साथ-साथ क्षेत्र की स्ट्रीट लाईट व्यवस्था भी पूरी तरह ठप हो चुकी है। रात होते ही पूरा ईलाका अंधेरे के आगोश में समा जाता है, जिससे आए दिन हादसों और असामाजिक गतिविधियों का खतरा बना रहता है। प्रदर्शनकारियों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है। जगह-जगह गंदगी और कचरे के अंबार लगे हुए हैं। नियमित सफाई ना होने के कारण नालियां चोक हैं और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर गंभीर बीमारियां फैलने का अंदेशा लगातार गहराता जा रहा है। यदि नगर परिषद ने जल्द ही जनसमस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया, तो क्षेत्र की जनता सडकों पर उतरकर उठा आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस दौरान संजय चारण, सुनील गुरूजी, बिरजू आर्य, दुलीचंद सैनी, महेश सैन, पवन आर्य, रमेश सैनी, लक्ष्मण आर्य व शेरसिंह आर्य सहित सैकडों की संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

देवयानी सरोवर पर दीप प्रज्ज्वलित कर एकादशी मनाई

सांभरझील । एकादशी पर महिलाओं ने देवयानी तीर्थ स्थल पर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की तथा पद्मिनी एकादशी की कथा का वाचन किया। इससे पहले आसपास के क्षेत्रों से आई सैकड़ों महिलाओं ने आस्था की डुबकी लगाई। देवयानी मैया सहित घाट पर स्थित अनेक देवी देवताओं के मंदिर में भी पूजा अर्चना कर परिवार की खुशहाली के लिए मन्नतें मांगी। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी सुनील कुमार शर्मा व खाटू श्याम से आए श्रद्धालु प्रशांत मिश्रा ने आटे की गोलियां बनाकर सरोवर में मछलियों को खिलाई। श्री गोपाल गौशाला के पूर्व अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा बताते हैं कि सभी तीर्थ की नानी होने के कारण प्रदेश भर से यहां श्रद्धालु आकर पुण्य अर्जित करते हैं। इसके संरक्षण और तीर्थ स्थल के और अधिक विकास के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश

टोंक । पशुपालन विभाग की ओर से गांधी गौशाला समिति, टोंक में बुधवार को "वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान 2026" के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व नगर परिषद् सभापति लक्ष्मी जैन व विशिष्ट अतिथि गौशाला के संस्थापक एवं संरक्षक अभयमल बंब, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया ओर दुर्गेश गुप्ता रहे। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सभी अतिथियों ने गौशाला में सफाई कर श्रमदान किया गया। पानी की खेलियों में सफाई करवाकर चुने की पुताई करवाई गई एवं सभी चारे के ठान की सफाई करवाई गई। गौशाला में व्यवस्था देख रहे सभी कर्मचारियों को पानी के खेलियों एवं चारे की ठाणों की नियमित सफाई के निर्देश दिए। गौ पूजन कर अभियान का शुभारंभ किया गया। गौशाला में पीपल का पौधा लगाकर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। सभी अतिथियों ने गौशाला का भ्रमण कर गौशाला की व्यवस्था का जायजा लिया। गौशाला के व्यवस्थापक एवं कोषाध्यक्ष बाल किशन ने गौशाला में किये जा रहे नवाचार के बारे में विस्तार से बताया। गौशाला में पंचगव्य उत्पादन की विस्तार से जानकारी दी। वही गांधी गौशाला के संरक्षक एवं संस्थापक अभय मल बंब ने सभी से गौ सेवा से जुडने का अह्वान किया। उन्होने भारतीय संस्कृति में गाय का धार्मिक, अध्यात्मिक व आर्थिक महत्व के बारे में अवगत करवाया। जन प्रतिनिधि दुर्गेश गुप्ता ने पर्यावरण सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्ष वाले पौधे लगाने पर बल दिया उन्होने बताया कि टोंक शहर में स्वयं ने कई वृक्ष पौधे लगाये गये है जो अब वृक्ष बन गये है।

भीषण जल संकट पर फूटा वार्डवासियों का गुस्सा

कोटपूतली । कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास की ढाणी भूतेश्वर में व्याप्त भीषण जल संकट को लेकर आखिरकार क्षेत्रवासियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। लंबे समय से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोगों ने बुधवार को पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने एईएन हंसराज गुर्जर को ज्ञापन सौंपकर पेयजल समस्या के तत्काल स्थाई समाधान की मांग की। पार्षद उमेश आर्य ने बताया कि ढाणी भूतेश्वर में पिछले कई दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच हालात बेहद चिंताजनक हो चुके हैं। स्थानीय निवासियों को पीने के पानी के लिए भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। विभाग को बार-बार अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है।

नौतपा ने दिखाए तेवर, आमजन का जनजीवन बेहाल

पावटा। नौतपा की शुरुआत के साथ ही गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को उपखंड पावटा क्षेत्र में तापमान अधिक होने से आमजन का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित नजर आया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया, वहीं दोपहर होते-होते सड़कें और बाजार सूने दिखाई देने लगे। कस्बे के मुख्य बाजार सुभाष चौक, घंटाघर चौक, चमत्कारी चौराहा सहित प्रमुख चौराहों पर दोपहर 12 बजे के बाद सन्नाटा पसरा रहा। भीषण गर्मी और लू के चलते लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। बाहर निकलने वाले अधिकांश लोग चेहरे पर कपडा बांधकर और सिर ढककर नजर आए। व्यापारियों ने बताया कि दोपहर के समय ठााहकों की आवाजाही लगभग थम गई, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ा। कई दुकानदारों ने दुकानों के बाहर तिरपाल और हरी नेट लगाकर धूप से बचाव के इंतजाम किए। गर्म हवाओं के कारण बाजारों में सामान्य दिनों जैसी चहल-पहल देखने को नहीं मिली। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते दिखाई दिए। गन्ने के रस, शिकंजी, छाछ, लस्सी और मौसमी फलों की दुकानों पर लोगों की भीड लगी रही। वहीं मिट्टी के मटकों की मांग भी अचानक बढ़ गई है। दुकानदारों के अनुसार पिछले कुछ दिनों की तुलना में मटकों की बिक्री दोगुनी हो गई है। नौतपा का असर ग्रामीण इलाकों में भी साफ दिखाई दिया। खेतों में काम करने वाले किसानों ने दोपहर के समय खेतों से दूरी बनाई और सुबह जल्दी या शाम ढलने के बाद ही कृषि कार्य करना उचित समझा।

निःशुल्क योग शिविर आज से

शाहपुरा। शहर में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरिद्वार तथा वीर तेजाजी मिलन शाहपुरा के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार निःशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 28 मई 2026 से 3 जून 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 7 बजे तक बी.आर. कॉलेज, त्रिवेणी रोड शाहपुरा में आयोजित होगा। शिविर में योगाचार्य स्वामी अर्जुनदेव जी के सानिध्य में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से विभिन्न रोगों का उपचार एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार इस योग शिविर में मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, सर्वाइकल पेन, कमर दर्द, पेट संबंधी रोग, हृदय रोग, स्किन रोग, एलर्जी, बवासीर सहित कई गंभीर व सामान्य बीमारियों के लिए योग व प्राकृतिक चिकित्सा पद्धित से लाभ प्रदान किया जाएगा।

किसानों को कम पानी में सिंचाई पद्धति के गुर बताए

■ पत्रकारों को बनास नदी के समीप स्थित बोयडा गणेश जी, पनवाड सागर तालाब पर चल रहे दीवार के मरम्मत कार्य एवं नहरों के निर्माण, चंदलाई बांध जल संरक्षण संरचनाओं का भ्रमाण करवाया

टोंक । वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत बुधवार को जिले के प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकारों को जल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण स्त्रोतों का अवलोकन करवाने के लिए फील्ड विजिट आयोजित की गई। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य मीडिया के माध्यम से जनसाधारण में जल संरक्षण के प्रति जागरुकता बढाना एवं जल की महत्ता को बताना था।

पत्रकारों को बनास नदी के समीप स्थित बोयडा गणेश जी, पनवाड सागर तालाब पर चल रहे दीवार के मरम्मत कार्य एवं नहरों के निर्माण, देवडावास के अमरुद उत्कृष्टता केन्द्र पर बूंद-बूंद सिंचाई, जूनिया गांव में ग्रामीणों के बीच तालाब की मान्यता, चंदलाई बांध जल संरक्षण संरचनाओं का भ्रमाण करवाया गया। इन संरचनाओं के माध्यम से जल संचय, भूजल स्तर में वृद्धि, कृषि उत्पादकता बढाने के प्रयासों, किसानों को कम पानी में सिंचाई की पद्धति के बारे में जागरुक किया जाता है।

यह फिल्ड विजिट जल संरक्षण और जल संचय के सकारात्मक प्रभावों को उजागर करने में महत्वपूर्ण साबित हुई। इसी तरह मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में गांवों में जल स्त्रोतों का जीणोद्धार एवं संरक्षण का कार्य भी हाथ में लिया गया है। जिनमें परंपरागत कुओं व तालाबों का रखरखाव, तलाई एवं पिट निर्माण, फार्म पोण्ड निर्माण, रिचार्ज सोफ्ट का निर्माण, एनिकट, तालाबों के पिचिगं कार्य से जल संरक्षण की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इससे वर्ष भर बरसात का पानी जमा रहने से आस पास की वनस्पति भी विकसित हो रही है। साथ ही भूमि का भूजल स्तर बढ़ने से जल स्त्रोतों के आस पास होने वाली खेती से किसानों को वर्ष भर पानी की जरुरत होती है।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण किया

■ उत्कृष्ट सेवाओं एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्रीवास्तव को 6 बार महानिदेशक इंसिग्निया एवं 2 बार महानिदेशक प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए हैं

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा के वर्ष 2016 बैच के अधिकारी पवन कुमार श्रीवास्तव ने वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के पद का विधिवत् कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके आगमन से मंडल की सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी दक्षता एवं आधुनिक कार्यप्रणाली का लाभ मिलने की अपेक्षा है।

रेलवे सुरक्षा बल में अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने सहायक सुरक्षा आयुक्त के रूप में मध्य रेलवे के मुंबई मंडल से कार्य प्रारंभ किया। इसके पश्चात उन्होंने पश्चिम रेलवे के मुंबई एवं राजकोट मंडलों सहित पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। अपने कार्यकाल में उन्होंने सुरक्षा प्रबंधन, अपराध नियंत्रण तथा यात्री सुरक्षा से जुड़े अनेक नवाचारों को प्रभावी रूप से लागू किया।

उत्कृष्ट सेवाओं एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्रीवास्तव को 6 बार महानिदेशक इंसिग्निया एवं 2 बार महानिदेशक प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें 2 बार राष्ट्रीय स्तर पर फिक्की स्मार्ट पोलिसिंग पुरस्कार तथा विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। पदभार ग्रहण करने के पश्चात श्रीवास्तव ने कहा कि कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, अपराधों की रोकथाम हेतु सक्रिय एवं परिणाममुखी कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पारदर्शी एवं निष्पक्ष मूल्यांकन को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल बताया।

आत्मा शुद्ध होने से भगवान के दिव्य दर्शन संभव : महंत भारती

राजगढ़ । कथावाचक एवं महंत अमन भारती महाराज ने कहा कि मन एवं आत्मा शुद्ध होने से भगवान के दिव्य दर्शन संभव है। छल कपट रहित भक्ति से ठाकुर जी हमेशा प्रसन्न रहते हैं। भारती महाराज राजगढ के अवधूत दत्ता आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा मैं श्री कृष्ण गोपी संवाद, विरह एवं रुक्मणी विवाह की लीला में उपस्थित महिला पुरुषों को प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने गोपिकाओं का कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम एवं मथुरा जाने के बाद विरह वेदना का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण कर उपस्थित महिला पुरुषों को प्रेम एवं एकता का संदेश दिया। इससे पूर्व "थाली भरकर लाई रे खिचड़ो, ऊपर घी की बाटकी, की भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित पंडाल मैं हलचल पैदा करदी। इस अवसर पर कथा वाचक अमन भारती महाराज का प्रमुख महिला पुरुषों की ओर से भव्य अभिनंदन किया गया। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि भक्ति एवं प्रेम के मध्य मोह माया का जो जाल है उससे मुक्ति पानी होगी । भारती महाराज ने कहा कि भगवान का भजन नहीं करने का मन हो तब भी भजन करना चाहिए। इस अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे।

गौशाला परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे बांधे

■ गौ शाला के नाम पट्टा बनवाने के लिए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

पावटा। राज्य सरकार के वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत बुधवार को बड़नगर स्थित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में स्वच्छता, गौसेवा एवं जल संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गौशाला परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया तथा गौवंश को आहार वितरण किया गया। साथ ही जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम उपखंड अधिकारी पावटा डॉ. साधना शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस दौरान सामाजिक संगठनों, गौसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. साधना शर्मा ने कहा कि, जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। गौसेवा, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम हैं। हम सभी को अपने स्तर पर पानी बचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए गौशाला परिसर में श्रमदान किया। उन्होंने गौशाला में चारे-दाने एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। साथ ही गौशाला परिसर में बेजुबान पक्षियो के लिए परिंडे बांधकर जीव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्सक डॉ. नवल किशोर ने गौमाता एवं उनसे प्राप्त पंचतत्व-दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर-के धार्मिक, आयुर्वेदिक एवं कृषि उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गाय से प्राप्त पंचगव्य मानव जीवन, स्वास्थ्य एवं जैविक खेती के लिए अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। साथ ही गोबर एवं गोमूत्र से जैविक खाद, ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण गौशाला समिति बड़नगर द्वारा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को गौशाला विकास एवं आवश्यक सुविधाओं को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में गौशाला के नाम से पट्टा जारी करवाने, गौशाला के लिए अलग से विद्युत डीपी लगवाने, हाई मास्क लाइट स्थापित करवाने, गौ काष्ठ निर्माण मशीन उपलब्ध करवाने, गोबर गैस प्लांट स्थापित करने तथा सोलर लाइट लगवाने जैसी महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। समिति सदस्यों ने बताया कि इन व्यवस्थाओं के होने से गौशाला में गौवंश की बेहतर देखभाल के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता को भी बढावा मिलेगा। साथ ही गोबर गैस प्लांट और गौ काष्ठ निर्माण जैसी योजनाओं से जैविक एवं पर्यावरण हितैषी कार्यों को गति मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

पत्रकारों को कराया जल संरक्षण कार्यों का फील्ड भ्रमण

कोटपुतली में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत विविध गतिविधियों का आयोजन किया।

■ अभियान के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया

कोटपूतली-बहरोड, । राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के अंतर्गत बुधवार को जिलेभर में विभिन्न विभागों द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनजागरूकता से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

इसी क्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जिले के पत्रकारों को वंदे गंगा अभियान के तहत किए जा रहे जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यों का फील्ड भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान पत्रकारों ने पावटा क्षेत्र स्थित बुचारा बांध क्षेत्र में निर्मित एनिकट का अवलोकन किया तथा जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त आंतेला क्षेत्र में वाटरशेड विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे वन क्षेत्र का निरीक्षण कराया गया, जहां मृदा एवं जल संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया। वहीं विराटनगर क्षेत्र में पौधशाला एवं वन विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे वन क्षेत्र का भी भ्रमण करवाया।

कांग्रेस का हल्ला बोल 29 को

कोटपूतली । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार आगामी 29 मई शुक्रवार को कोटपूतली में भाजपा सरकार के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटपूतली एवं नारेहड़ा द्वारा विधानसभा स्तर पर होने वाले इस प्रदर्शन के तहत उपखण्ड अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय के समक्ष धरना दिया जायेगा और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि केंद्र व राज्य की डबल इंजन भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आज आम आदमी का जीना दुष्वार हो चुका है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी की गई है। घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह बाधित है, वहीं सामाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों के लिए कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराने में भी प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कोटपूतली क्षेत्र में बिजली और पानी की भारी किल्लत चल रही है। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही कटौती से जनता त्रस्त है। साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जिससे जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं और आमजन को अपने दैनिक जीवनयापन में भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

भागवत कथा में बाणासुर प्रसंग का वर्णन

■ आज हवन, पूर्णाहुति के बाद भंडारे का आयोजन

पावटा। कस्बा पावटा स्थित प्राचीन राठी वाला मंदिर में पूज्य श्री निम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज की असीम कृपा एवं मंदिर महंत श्री राधा मोहन दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिन पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में सराबोर नजर आया। कथा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड उमडी और वातावरण जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज ने अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण के विविध लीलामय प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण एवं भक्तिमय वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और मानव जीवन के आदर्शों का संदेश दिया। उन्होंने कृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जो भक्त सच्चे मन और अनन्य भाव से प्रभु को पुकारता है, भगवान उसकी रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। रुक्मणी हरण और विवाह प्रसंग का सुंदर वर्णन सुन श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। इसके बाद कथावाचक ने शिशुपाल वध प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जब पाप और अहंकार अपनी सीमा पार कर जाते हैं, तब भगवान स्वयं धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। उन्होंने भगवान शिव और भस्मासुर की कथा सुनाते हुए मोहिनी अवतार का प्रसंग भी बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है तथा ईश्वर की शरण में आने वाला व्यक्ति सदैव सुरक्षित रहता है। कथा के दौरान सुदामा चरित्र का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके निर्धन बाल सखा सुदामा की निष्कपट मित्रता का ऐसा भावपूर्ण चित्रण किया कि पंडाल में मौजूद अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि द्वारकाधीश श्रीकृष्ण द्वारा सुदामा को दिया गया सम्मान सच्ची मित्रता, प्रेम और अपनत्व का सर्वोच्च उदाहरण है। मनुष्य को जीवन में मित्रता का सम्मान करते हुए हर परिस्थिति में अपने मित्र का साथ निभाना चाहिए। वहीं कथा के अंतिम चरण में जरासंध वध और बाणासुर प्रसंग का मनमोहक वर्णन किया गया। कथावाचक ने बताया कि बाणासुर भगवान शिव का परम भक्त था, लेकिन अपनी हजार भुजाओं के अभिमान में वह अहंकारी बन गया था। उसकी पुत्री उषा और श्रीकृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध के प्रेम प्रसंग तथा अनिरुद्ध को बंदी बनाने के बाद श्रीकृष्ण द्वारा शोणितपुर पर किए गए आक्रमण का प्रसंग श्रद्धालुओं ने बड़े भाव से सुना। उन्होंने बताया कि भगवान शिव और श्रीकृष्ण के बीच हुए भयंकर युद्ध के बाद अंततः भगवान श्रीकृष्ण ने बाणासुर का अहंकार तोड़ते हुए उसकी अधिकांश भुजाएं काट दीं। जब बाणासुर को अपनी भूल का एहसास हुआ और उसने भगवान की स्तुति की, तब श्रीकृष्ण ने उसे जीवनदान देकर क्षमा कर दिया। कथावाचक ने कहा कि अहंकार चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसका अंत निश्चित है और जो व्यक्ति भगवान की शरण में आता है, प्रभु उसके सभी संकट दूर कर देते हैं। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों के वैराग्य और राजा परीक्षित को कथा श्रवण कराने के प्रसंग के माध्यम से धर्म, सत्य और प्रभु के प्रति अटूट आस्था का संदेश भी दिया गया। कथा के दौरान प्रस्तुत मधुर भजनों और संगीतमय प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वही आज श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के समापन अवसर पर प्रातः हवन एवं पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन प्रसादी ग्रहण करेंगे। इस दौरान शिवपाल राठी, उमाकांत बंसल, दिनेश शर्मा, कुलदीप पटेल, पंकज जोशी, विष्णु शर्मा, काशी लांबोरा, श्रीराम यादव, कैलाश बंसल, सुरेंद्र शर्मा, योगेश शर्मा, मनीष जांगिड, सक्षम शर्मा, कमल पटेल, विकास पंचोली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

छात्रवृत्ति को लेकर विद्यार्थियों का फूटा गुस्सा

कोटपूतली । राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में छात्रवृत्ति की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। छात्र नेता मोहित गुर्जर के नेतृत्व में दर्जनों विद्यार्थियों ने प्राचार्य प्रो. आर के सिंह को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत करवाया। वहीं अपनी मांगों को लेकर कॉलेज परिसर में जमकर नारेबाजी की। विधार्थियों ने ज्ञापन में बताया कि पिछले दो वर्षों से अधिक समय से उनकी छात्रवृत्ति नहीं आई है। सबसे बडी समस्या यह है कि छात्रवृत्ति पोर्टल पर कॉलेज का नाम ही प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इस तकनीकी खामी की वजह से सैकडों छात्र चालू सत्र का फॉर्म भी नहीं भर पा रहे हैं। छात्र लगातार संबंधित कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। छात्रों ने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम लागू होने के बाद से फीस का बोझ सालाना पद्धित से काफी ज्यादा बढ़ गया है। ठाामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे मुश्किल से फीस की व्यवस्था कर रहे हैं। समय पर स्कॉलरशिप ना मिलने से अब कई विद्यार्थियों के सामने पढाई छोडने का संकट खडा हो गया है। विद्यार्थियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते हुये कॉलेज प्रशासन को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है।